Class 11 Economics Chapter- 6 Indian Economy Important Questions Hindi Medium

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न:

प्रश्न 1.
सकल घरेलू उत्पाद से आप क्या समझते हैं?
उत्तर:
एक वर्ष में एक देश में उत्पादित अन्तिम वस्तुओं एवं सेवाओं के मौद्रिक मूल्य को सकल घरेलू उत्पाद कहा जाता है।

प्रश्न 2.
यदि निर्यात आयातों से अधिक है तो सकल घरेलू उत्पाद पर क्या प्रभाव पड़ेगा?
उत्तर:
यदि निर्यात आयातों से अधिक है तो देश का सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि होगी।

प्रश्न 3.
यदि कोई कर्मचारी बीमारी के कारण अस्थायी रूप से कार्य पर नहीं आ सकता है। क्या वह श्रमिक माना जाएगा?
उत्तर:
बीमारी के कारण अस्थायी रूप से अवकाश पर रहे कर्मचारी को श्रमिक माना जाएगा।

प्रश्न 4.
आर्थिक क्रियाओं से आप क्या समझते हैं?
उत्तर:
सकल घरेलू उत्पाद में योगदान देने वाले सभी क्रियाकलापों को आर्थिक क्रियाएँ कहते हैं।

प्रश्न 5.
भारत में बेरोजगारी के दो प्रमुख कारण बताइए।
उत्तर:

1. जनसंख्या वृद्धि
2. कृषि क्षेत्र का पिछड़ापन।

प्रश्न 6.
श्रम बल किसे कहते हैं?
उत्तर:
श्रम बल व्यक्तियों की वह संख्या है जो वर्तमान मजदूरी दर पर कार्य करने के योग्य एवं इच्छुक हैं।

प्रश्न 7.
जो व्यक्ति स्व नियोजित हैं क्या वे श्रमिक माने जाऐंगे?
उत्तर:
जो व्यक्ति स्व नियोजित होते हैं वे भी श्रमिक ही होते हैं।

प्रश्न 8.
श्रमिक जनसंख्या अनुपात अधिक होने का क्या तात्पर्य है?
उत्तर:
इसका तात्पर्य है कि जनता की काम में भागीदारी अधिक है।

evidyarthi
https://www.evidyarthi.in/

प्रश्न 9.
श्रमिक जनसंख्या अनुपात ज्ञात करने का सूत्र लिखिए।
उत्तर:

$$\text{श्रमिक जनसंख्या अनुपात} = \frac{\text{कार्य कर रहे श्रमिकों की संख्या}}{\text{देश की कुल जनसंख्या}} \times 100$$

प्रश्न 10.
जनसंख्या का क्या अभिप्राय है?
उत्तर:
जनसंख्या का अभिप्राय किसी क्षेत्र विशेष में किसी समय विशेष पर रह रहे व्यक्तियों की कुल संख्या से है।

प्रश्न 11.
ग्रामीण अथवा शहरी क्षेत्र में से किस क्षेत्र के श्रम बल में महिलाओं की भागीदारी अधिक है?
उत्तर:
ग्रामीण क्षेत्रों में श्रम बल में महिलाओं की भागीदारी अधिक है।

प्रश्न 12.
स्वनियोजित किसे कहा जाता है?
उत्तर:
जो व्यक्ति अपने स्वयं के उद्यम के स्वामी और संचालक होते हैं, उन्हें स्वनियोजित कहा जाता है।

प्रश्न 13.
नियमित वेतनभोगी कर्मचारी किसे कहा जाता है?
उत्तर:
वह श्रमिक जिसे कोई व्यक्ति या उद्यम नियमित रूप से काम पर रख कर मजदूरी देता है।

प्रश्न 14.
सामान्य आर्थिक क्रियाओं के आधार पर किन्हीं दो औद्योगिक वर्गों का नाम बताइए।
उत्तर:

1. कृषि
2. विनिर्माण।

प्रश्न 15.
मुख्य रूप से अर्थव्यवस्था को कितने भागों में विभाजित किया जाता है?
उत्तर:
एक अर्थव्यवस्था को मुख्य रूप से तीन भागों में वर्गीकृत किया जा सकता है

1. प्राथमिक क्षेत्रक
2. द्वितीयक क्षेत्रक

3. सेवा क्षेत्रक।

प्रश्न 16.
प्राथमिक क्षेत्रक में किन क्रियाओं को सम्मिलित किया जाता है?
उत्तर:
प्राथमिक क्षेत्रक में कृषि एवं कृषि सम्बद्ध क्रियाओं को सम्मिलित किया जाता है।

प्रश्न 17.
भारत में सर्वाधिक श्रम शक्ति किस क्षेत्र में लगी हुई है?
उत्तर:
भारत में सर्वाधिक श्रम शक्ति प्राथमिक क्षेत्र में लगी हुई है?

प्रश्न 18.
ग्रामीण क्षेत्रों में अधिकांश श्रम बल किस क्षेत्रक में लगा हुआ है?
उत्तर:
ग्रामीण क्षेत्रों में अधिकांश श्रम बल प्राथमिक क्षेत्रक में लगा हुआ है।

प्रश्न 19.
श्रमिक कितने प्रकार के होते हैं?
उत्तर:
श्रमिक तीन प्रकार के होते हैं

1. स्वनियोजित या स्वयं कार्यरत
2. अनियत मजदूरी वाले श्रमिक या आकस्मिक पारिश्रमिक कर्मचारी
3. नियमित वेतनभोगी श्रमिक।

प्रश्न 20.
भारत में सर्वाधिक किस प्रकार के श्रमिक पाए जाते हैं?
उत्तर:
भारत में सर्वाधिक स्वनियोजित श्रमिक पाए जाते

प्रश्न 21.
स्वनियोजित श्रमिक के कोई दो उदाहरण दीजिए।
उत्तर:

1. स्वयं के खेत पर कार्य करने वाला कृषक।
2. स्वयं का व्यवसाय चलाने वाला उद्यमी।

प्रश्न 22.
भाड़े के अथवा किराए के श्रमिक कितने |प्रकार के हैं?
उत्तर:
भाड़े के श्रमिक दो प्रकार के हैं

1. अनियत मजदूरी वाला श्रमिक
2. नियमित वेतनभोगी श्रमिक।

प्रश्न 23.
नियमित वेतनभोगी कर्मचारी के कोई दो उदाहरण दीजिए।
उत्तर:

1. सरकारी विद्यालय का अध्यापक
2. निर्माण करने वाली कंपनी का सिविल इंजीनियर।

प्रश्न 24.
अनियमित मजदूरी वाले श्रमिक के कोई दो उदाहरण दीजिए।
उत्तर:

1. निर्माण मजदूर
2. माल ढोने वाला मजदूर।

प्रश्न 25.
खुली बेरोजगारी का क्या अभिप्राय है?
उत्तर:
खुली बेरोजगारी का तात्पर्य उस अवस्था से है जब श्रमिक को काम ही न मिले।

प्रश्न 26.
मौसमी बेरोजगारी किसे कहते हैं?
उत्तर:
जब व्यक्तियों को मौसम विशेष में रोजगार मिले तथा शेष अवधि में वह बेरोजगार रहे।

प्रश्न 27.
भारत में बेरोजगारी को कम करने हेतु एक सुझाव दीजिए।
उत्तर:
हमें अपनी शिक्षा प्रणाली को रोजगारोन्मुख बनाना होगा।

प्रश्न 28.
भारत में कृषि क्षेत्र में मुख्य रूप से कौनसी बेरोगारी पाई जाती है?
उत्तर:
कृषि क्षेत्र में प्रच्छन्न या छिपी हुई बेरोजगारी । पाई जाती है।

प्रश्न 29.
असंगठित क्षेत्रक का कोई एक दोष बताइए।
उत्तर:
असंगठित क्षेत्रक में श्रमिकों का शोषण अधिक होता है एवं मजदूरी कम मिलती है।

https://www.evidyarthi.in/

प्रश्न 30.
श्रम बल के अनियतीकरण से आप क्या समझते हैं?
उत्तर:
स्वरोजगार तथा नियमित वेतन से अनियत श्रम रोजगार की ओर जाने की प्रक्रिया को श्रम बल का = अनियतीकरण कहा जाता है।

प्रश्न 31.
श्रमिक संघों का कोई एक महत्त्व बताइए।
उत्तर:
श्रमिक संघ रोजगारदाताओं से बेहतर मजदूरी एवं अन्य सामाजिक सुरक्षा उपायों हेतु सौदेबाजी करते हैं।

प्रश्न 32.
वर्ष 1999 - 2001 में देश का कितना प्रतिशत श्रम बल अनौपचारिक क्षेत्र में कार्यरत था?
उत्तर:
वर्ष 1999 - 2001 में देश का लगभग 94 प्रतिशत भाग अनौपचारिक क्षेत्र में कार्यरत था।

प्रश्न 33.
निजी क्षेत्र के किन उपक्रमों को संगठित क्षेत्र में सम्मिलित किया जाता है?
उत्तर:
निजी क्षेत्र के वह उपक्रम जिनमें 10 या 10 से अधिक कर्मचारी कार्य करते हैं।

प्रश्न 34.
बेरोजगार से आप क्या समझते हैं?
उत्तर:
वे व्यक्ति जो काम करने के योग्य हैं तथा काम करने की इच्छा रखते हैं; किन्तु उन्हें काम नहीं मिलता।

प्रश्न 35.
राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण संगठन ने बेरोजगारी को किस प्रकार परिभाषित किया है?
उत्तर:
बेरोजगारी वह अवस्था है जिसमें व्यक्ति काम : के अभाव के कारण बिना काम के रह जाते हैं।

प्रश्न 36.
भारत में बेरोजगारी के आंकड़ों के कोई तीन स्रोत बताइए।
उत्तर:

1. भारत की जनसंख्या रिपोर्ट।
2. राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण संगठन की रोजगार और बेरोजगारी की अवस्था सम्बन्धी रिपोर्ट।
3. रोजगार कार्यालयों में पंजीकृत आँकड़े।

प्रश्न 37.
प्रच्छन्न बेरोजगारी से आप क्या समझते हैं?

https://www.evidyarthi.in/

उत्तर:
किसी कार्य पर आवश्यकता से अधिक श्रमिकों का लगना जिनकी सीमान्त उत्पादकता शून्य होती है।

प्रश्न 38.
बेरोजगारी के कोई दो प्रकार बताइये।
उत्तर:

1. खुली बेरोजगारी।
2. प्रच्छन्न बेरोजगारी।

प्रश्न 39.
भारत में रोजगार सजन हेतु ग्रामीण क्षेत्र में चलाए जाने वाले किसी एक कार्यक्रम का नाम लिखिए।
उत्तर:
महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम।

प्रश्न 40.
ग्रामीण क्षेत्र में रोजगार वृद्धि हेतु कोई एक सुझाव दीजिए।
उत्तर:
ग्रामीण क्षेत्रों में सरकार द्वारा सामुदायिक विकास कार्यक्रमों को बढ़ावा देना चाहिए।

लघूत्तरात्मक प्रश्न:

प्रश्न 1.
सामान्य आर्थिक क्रियाओं को कितने औद्योगिक वर्गों में विभाजित किया जा सकता है?
उत्तर:
सामान्य आर्थिक क्रियाओं को मुख्य रूप से आठ विभिन्न औद्योगिक वर्गों में विभाजित किया जा सकता है। ये आठ औद्योगिक वर्ग निम्न प्रकार हैं

1. कृषि
2. खनन एवं उत्खनन
3. विनिर्माण
4. विद्युत, गैस एवं जलापूर्ति
5. निर्माण कार्य
6. वाणिज्य
7. परिवहन एवं भंडारण
8. सेवाएँ।

प्रश्न 2.
भारत में बेरोजगारी के कोई तीन प्रकार बताइये।
उत्तर:

1. खुली बेरोजगारी: खुली बेरोजगारी का तात्पर्य उस अवस्था से है, जब श्रमिक को काम ही न मिले।

https://www.evidyarthi.in/

2. प्रच्छन्न बेरोजगारी: किसी कार्य पर आवश्यकता से अधिक श्रमिक लगाना जिनकी सीमान्त उत्पादकता शून्य हो तो प्रच्छन्न बेरोजगारी कहलाती है।
3. मौसमी बेरोजगारी: जब व्यक्तियों को मौसम विशेष में तो रोजगार मिले तथा शेष अवधि में वह बेरोजगार रहे, इसे मौसमी बेरोजगारी कहते हैं।

प्रश्न 3.
भारत में बढ़ती हुई बेरोजगारी को रोकने हेतु कोई तीन सुझाव दीजिए।
उत्तर:

1. भारत में बेरोजगारी के नियन्त्रण हेतु तीव्र गति से बढ़ रही जनसंख्या को नियन्वित करना चाहिए।
2. भारत में शिक्षा प्रणाली को रोजगारोन्मुख बनाया जाना चाहिए।
3. ग्रामीण क्षेत्रों में बेरोजगारी को कम करने के लिए परिसम्पत्ति सृजन करने हेतु सार्वजनिक निवेश को बढ़ावा देना चाहिए।

प्रश्न 4.
श्रमिक जनसंख्या अनुपात का क्या महत्त्व
उत्तर:
श्रमिक जनसंख्या अनुपात का प्रयोग देश के रोजगार की स्थिति का विश्लेषण करने हेतु किया जाता है। इससे यह ज्ञात करने में सहायता मिलती है कि देश की कितने प्रतिशत जनसंख्या वस्तुओं एवं सेवाओं के उत्पादन में सक्रिय योगदान दे रही है। यदि श्रमिक जनसंख्या अनुपात ज्यादा है तो इसका तात्पर्य है कि जनता की काम करने की भागीदारी अधिक होगी। इसके विपरीत अनुपात कम होने का तात्पर्य है कि जनता की काम करने की भागीदारी कम है।

प्रश्न 5.
भारत में श्रम बल में पुरुषों की भागीदारी -अधिक होने का मुख्य कारण क्या है?
उत्तर:
भारत पुरुष प्रधान समाज है, जिसमें प्राय: धनार्जन का कार्य पुरुषों द्वारा किया जाता है। प्राय: पुरुषों की परम्परावादी एवं रूढ़िवादी सोच के कारण घर की महिलाओं के घर से बाहर काम करने पर रोक लगाई जाती है। इसके अतिरिक्त श्रम हेतु अधिक कौशल एवं शिक्षा की आवश्यकता होती है, जिसका प्रायः भारतीय महिलाओं में अभाव पाया जाता है। अतः भारत के श्रम बल में पुरुषों की भागीदारी अधिक है।

प्रश्न 6.
बेरोजगारी से आप क्या समझते हैं?
उत्तर:
साधारण बोलचाल की भाषा में बेरोजगारी का अभिप्राय किसी व्यक्ति द्वारा रोजगार के अवसर प्राप्त न होने से लिया जाता है। अन्य शब्दों में, बेरोजगारी का अर्थ उन व्यक्तियों को काम नहीं मिलने से है, जो काम करने के इच्छुक एवं योग्य हैं पर उनकी इच्छा एवं योग्यता के बावजूद उन्हें काम नहीं मिलता है। यदि किसी व्यक्ति को काम मिला हुआ है परन्तु उस काम से उस व्यक्ति के पूरे समय, शक्ति एवं योग्यता का उपयोग नहीं होता तो वह अर्द्ध बेरोजगार होता है।

प्रश्न 7.
भारत में बेरोजगारी के कारणों पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।
उत्तर:

https://www.evidyarthi.in/

भारत में बेरोजगारी की समस्या एक व्यापक एवं गंभीर समस्या है। इस समस्या हेतु देश में अनेक कारण जिम्मेदार हैं। जैसे—जनसंख्या में तीव्र वृद्धि, शिक्षा का प्रसार, दोषपूर्ण शिक्षा प्रणाली, कृषि का पिछड़ापन, दोषपूर्ण रोजगार नीति, रोजगार हेतु मार्गदर्शन का अभाव, मानव शक्ति नियोजन का अभाव, औद्योगिक पिछड़ापन, विनियोगों का अभाव आदि।

प्रश्न 8.
प्रच्छन्न अथवा छिपी हुई बेरोजगारी से आप क्या समझते हैं?
उत्तर:
प्रच्छन्ना अथवा छिपी हुई बेरोजगारी वह स्थिति है जिसमें किसी काम पर आवश्यकता से अधिक श्रमिक लगे होते हैं तथा उनमें से प्रत्येक अतिरिक्त श्रमिक की सीमान्त उत्पादकता शून्य होती है अर्थात् यदि उन्हें हटा भी दिया जाए तो उत्पादन पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। उदाहरण के लिए कृषि क्षेत्र में एक पूरा परिवार लगा हुआ रहता है, जबकि वह कार्य कम व्यक्तियों द्वारा भी किया जा सकता है। यदि उन अतिरिक्त श्रमिकों को हटा भी दिया जाए तो कृषि उत्पादन पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

प्रश्न 9.
मौसमी बेरोजगारी से आप क्या समझते हैं?
उत्तर:
जब श्रमिकों को वर्ष भर निरन्तर काम नहीं मिलता या किसी मौसम विशेष में ही श्रमिकों को काम मिलता है तथा शेष अवधि में वे बेरोजगार रहते हैं तो उसे मौसमी बेरोजगारी कहा जाता है। जैसे - भारत में रबी और खरीफ की फसलों के बीच की अवधि में वर्षा न होने के कारण किसान को बेरोजगार रहना पड़ता है तथा इसी प्रकार चीनी, गुड़ आदि बनाने वाले उद्योगों में केवल मौसम में ही काम होता है, शेष अवधि में श्रमिक बेरोजगार होते हैं।

प्रश्न 10.
खुली बेरोजगारी एवं प्रच्छन्न बेरोजगारी में अन्तर बताइए।
उत्तर:
खुली बेरोजगारी में व्यक्ति काम करने की योग्यता रखता है तथा इच्छा भी रखता है लेकिन उसे काम नहीं मिलता है किन्तु प्रच्छन बेरोजगारी में व्यक्ति काम पर तो लगा प्रतीत होता है किन्तु वास्तविकता में वह बेरोजगार होता है; क्योंकि उसका उत्पादन में कोई योगदान नहीं होता; क्योंकि उस कार्य में आवश्यकता से अधिक लोग लगे हुए होते हैं।

प्रश्न 11.
वर्ष 1960 से 2012 के मध्य देश की आर्थिक संवृद्धि दर में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, स्पष्ट कीजिए।
उत्तर:
भारत में 1960 से 2012 के मध्य देश की आर्थिक संवृद्धि दर में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, उसे निम्न तालिका से स्पष्ट किया जा सकता है, जिसमें संवृद्धि दर में निरन्तर वृद्धि हो रही है।

समय अवधि	वार्षिक औसत संवृद्धि दर
1961 - 66	2.8
1974 - 79	4.8

https://www.evidyarthi.in/

1980 - 85	5.7
1985 - 90	5.8
1997 - 2000	6.1
1999 - 2005	6.1
2005 - 10	8.7
2010 - 12	7.8

प्रश्न 12.
"भारत में वर्ष 1960 से 2012 के मध्य देश की रोजगार वृद्धि दर लगभग स्थिर रही।" उक्त कथन को आँकड़ों की सहायता से स्पष्ट कीजिए।
उत्तर:
यह सत्य है कि वर्ष 1960 से 2012 के मध्य देश में रोजगार वृद्धि दर लगभग स्थिर रही। इसे निम्न तालिका में दर्शाए आंकड़ों से स्पष्ट किया जा सकता है

समय अवधि	रोजगार की वार्षिक औसत वृद्धि दर
1961 - 66	2.03
1974 - 79	1.84
1980 - 85	1.73
1985 - 90	1.89
1997 - 2000	0.98
1999 - 2005	2.98
2005 - 10	0.89
2010 - 12	2.83

उपर्युक्त तालिका से स्पष्ट है कि देश में 1960 से रोजगार की वार्षिक दर मामूली उतार-चढ़ावों को छोड़कर लगभग 2 प्रतिशत पर स्थिर बनी रही।

https://www.evidyarthi.in/

प्रश्न 13.
प्राथमिक क्षेत्र में अधिकांश महिलाएँ ही क्यों कार्य करती हैं?
उत्तर:
वर्ष 2011 - 2012 में प्राथमिक क्षेत्र में पुरुष श्रम बल का लगभग 44 प्रतिशत एवं महिला वर्ग का लगभग 63 प्रतिशत भाग प्राथमिक क्षेत्र में लगा था। महिलाओं के अधिक भागीदारी के कई कारण हैं, एक तो गांवों में महिलाएं अपने खेतों पर अधिक काम करती हैं, जबकि अन्य क्षेत्रों में महिलाओं के लिए रोजगार के अवसर कम होते हैं। इसके अतिरिक्त सेवा क्षेत्र में महिलाओं हेतु रोजगार के अवसर कम हैं क्योंकि देश में महिलाओं में उच्च कौशल एवं शिक्षा का अभाव पाया जाता है।

प्रश्न 14.
अनौपचारिक क्षेत्र के प्रमुख दोषों को स्पष्ट कीजिए।
उत्तर:
देश में अनौपचारिक क्षेत्र में उद्यमों एवं उनके श्रमिकों की आय नियमित नहीं होती है तथा उन्हें सरकार की तरफ से भी किसी प्रकार का संरक्षण प्राप्त नहीं हो पाता है और न ही उनका नियमन हो पाता है। अनौपचारिक क्षेत्र में श्रमिकों को बिना क्षतिपूर्ति के ही काम से निकाल दिया जाता है। अनौपचारिक क्षेत्र में पुरानी तकनीक काम में ली जाती है तथा इन क्षेत्रों में लेखा-जोखा भी नहीं रखा जाता

प्रश्न 15.
औपचारिक अथवा संगठित क्षेत्र के कोई। तीन लाभ बताइए।
उत्तर:

1. औपचारिक अथवा संगठित क्षेत्र के लोगों की आय नियमित एवं अधिक होती है।
2. औपचारिक क्षेत्र के कर्मचारियों को सामाजिक सुरक्षा व्यवस्था का लाभ प्राप्त होता है।
3. संगठित क्षेत्र के कर्मचारियों को कई अन्य प्रकार के लाभ भी मिलते हैं; जैसे भविष्यनिधि, पेन्शन, चिकित्सा सुविधाएँ इत्यादि।

प्रश्न 16.
सरकार द्वारा रोजगार सृजन हेतु किए प्रयासों का अर्थव्यवस्था पर क्या प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष प्रभाव पड़ा?
उत्तर:
सरकार द्वारा किए रोजगार सृजन हेतु प्रयासों के फलस्वरूप सरकार ने स्वयं के विभागों में नियुक्तियाँ की, उद्योगों की स्थापना की, होटलों की स्थापना की। इससे लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार प्राप्त हुआ। जब सार्वजनिक क्षेत्र में उत्पादन वृद्धि हुई तो इसके फलस्वरूप सार्वजनिक उपक्रमों को पूर्ति करने वाले निजी क्षेत्र के उपक्रमों का भी विकास हुआ। अत: निजी क्षेत्र का विकास सरकार द्वारा किए प्रयासों का महत्त्वपूर्ण अप्रत्यक्ष प्रभाव रहा है।

प्रश्न 17.
स्वनियोजित श्रमिक तथा अनियत श्रमिक में अन्तर बताइए।
उत्तर:
स्वनियोजित वर्ग में उन श्रमिकों को शामिल |किया जाता है जिनका स्वयं का कोई उद्यम या व्यवसाय होता है तथा वे उसका संचालन करते हैं जैसे पान वाला, परचूनी की दुकान वाला इत्यादि इसके विपरीत अनियत मजदूरी वर्ग वाले श्रमिकों में वे श्रमिक आते हैं जो प्रायः थोड़ी-थोड़ी अवधि के लिए रोजगार प्राप्त करते हैं तथा इनके पास रोजगार का कोई नियमित स्रोत नहीं होता है जैसे निर्माण कार्य पर लगा हुआ मजदूर, दूसरे के खेतों पर अनियमित रूप से कार्य करने वाला मजदूर आदि।

प्रश्न 18.
भारत में ग्रामीण क्षेत्र में विभिन्न क्षेत्रकों में श्रम शक्ति के वितरण को स्पष्ट कीजिए।
उत्तर:
भारत में ग्रामीण क्षेत्र में विभिन्न क्षेत्रकों में श्रम शक्ति के वितरण में काफी असमानता पाई जाती है। भारत में ग्रामीण क्षेत्रों में अधिकांश जनसंख्या कृषि पर ही आश्रित है अतः श्रम-शक्ति का अधिकांश भाग कृषि क्षेत्र एवं सम्बद्ध गतिविधियों में ही लगा हुआ है। भारत में ग्रामीण क्षेत्र में वर्ष 2011-12 में श्रम-शक्ति का 64.1 प्रतिशत भाग प्राथमिक क्षेत्र में लगा हुआ था। इसी समय अवधि में ग्रामीण क्षेत्र में कुल श्रम शक्ति का 20.4 प्रतिशत भाग द्वितीयक क्षेत्रक तथा 15.5 प्रतिशत भाग सेवा क्षेत्रक में लगा हुआ था।

प्रश्न 19.
भारत में शहरी क्षेत्र में विभिन्न क्षेत्रकों में श्रम-शक्ति के वितरण को स्पष्ट कीजिए।
उत्तर:
भारत में शहरी क्षेत्र में विभिन्न क्षेत्रकों में श्रमशक्ति के वितरण में काफी असमानता पाई जाती है। शहरी क्षेत्रों में श्रम-शक्ति का सर्वाधिक हिस्सा सेवा क्षेत्रक में लगा होता है जबकि सबसे कम हिस्सा प्राथमिक क्षेत्रक में लगा हुआ रहता है। भारत में वर्ष 2011 - 12 में शहरी क्षेत्र में कुल श्रम-शक्ति का 6.7 प्रतिशत भाग प्राथमिक क्षेत्रक में लगा हुआ था तथा 35 प्रतिशत श्रम-शक्ति द्वितीयक क्षेत्रक में लगी हुई थी। इसी समय अवधि में सर्वाधिक श्रम-शक्ति अर्थात् 583 प्रतिशत श्रम-शक्ति सेवा क्षेत्र में लगी हुई थी।

प्रश्न 20.
भारत में ग्रामीण क्षेत्रों में विभिन्न श्रम वर्गों में रोजगार वितरण को स्पष्ट कीजिए।
उत्तर:
ग्रामीण क्षेत्रों में अधिकांश लोग स्वयं नियोजित हैं, क्योंकि वे अपने स्वयं के खेतों पर अधिक कार्य करते हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में नियमित वेतनभोगी कर्मचारियों का अनुपात काफी कम रहता है। वर्ष 2011 - 12 में ग्रामीण क्षेत्रों में कुल श्रमिकों में से लगभग 56 प्रतिशत स्वनियोजित श्रमिक थे, लगभग 35 प्रतिशत अनियत दिहाड़ी मजदूर थे तथा लगभग ९ प्रतिशत श्रमिक नियमित वेतनभोगी कर्मचारी थे।

प्रश्न 21.
भारत में बेरोजगारी के कोई चार प्रमुख कारण बताइए।
उत्तर:

1. भारतीय अर्थव्यवस्था में जनसंख्या में तीव्र अ गति से वृद्धि हो रही है, इस कारण बेरोजगारी भी बढ़ रही हो
2. भारत में शिक्षा के स्तर में निरन्तर सुधार हो रहा है, परन्तु रोजगार के अभाव में शिक्षित बेरोजगारी में निरन्तर वृद्धि हो रही है।
3. भारतीय शिक्षा प्रणाली रोजगारोन्मुख नहीं है, जिस कारण शिक्षा प्राप्त लोगों को भी रोजगार नहीं मिल पाता है।
4. भारत की आर्थिक स्थिति सही नहीं होने के में कारण प्रायः देश में विनियोगों का स्तर काफी नीचा है। इसमें कारण रोजगार के अधिक अवसर सृजित नहीं हो पाते हैं।

प्रश्न 22.
भारत में रोजगार सृजन करने हेतु सरकार क्या प्रयास कर रही है?
उत्तर:

https://www.evidyarthi.in/

भारत में केन्द्र व राज्य सरकारों ने रोजगार सृजन हेतु अनेक कार्यक्रम चलाए हैं। केन्द्र सरकार ने वर्ष 2005 में महात्मा गाँधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारण्टी अधिनियम पारित किया गया। सरकार विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से देश में बेरोजगारों को प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष दोनों प्रकार से रोजगार प्रदान करती है। भारत में निर्धनता उन्मूलन हेतु चलाए जा रहे कार्यक्रम भी बेरोजगारी की समस्या का समाधान करते हैं। ये कार्यक्रम न केवल लोगों को रोजगार उपलब्ध करवाते हैं बल्कि पिछड़े लोगों का जीवन स्तर भी ऊपर उठाने का प्रयास करते हैं।

प्रश्न 23.
श्रमिक किसे कहते हैं?
उत्तर:
सकल राष्ट्रीय उत्पादन में योगदान देने वाले सभी क्रियाकलापों को हम आर्थिक क्रियाएँ कहते हैं। वे सभी व्यक्ति जो आर्थिक क्रियाओं में संलग्न होते हैं श्रमिक कहलाते हैं चाहे वे उच्च या निम्न किसी भी स्तर पर कार्य कर रहे हों। यदि इनमें से कोई शारीरिक कष्टों, खराब मौसम, त्यौहार या सामाजिक - धार्मिक उत्सवों के कारण अस्थायी रूप से काम पर नहीं आ पाते, तो भी उन्हें श्रमिक ही माना जाता है। इन कार्यों में लगे मुख्य श्रमिकों की सहायता करने वालों को भी श्रमिक ही माना जाएगा। जो व्यक्ति स्व-नियोजित होते हैं, वे भी श्रमिक ही होते हैं।

प्रश्न 24.
औपचारिक एवं अनौपचारिक क्षेत्र में कोई दो अन्तर बताइए।
अथवा
संगठित एवं असंगठित क्षेत्रक में कोई दो अन्तर बताइए।
उत्तर:

1. औपचारिक अथवा संगठित क्षेत्र में नियमित आय होती है, सरकार से संरक्षण प्राप्त होता है जबकि अनौपचारिक अथवा असंगठित क्षेत्र की आय अनिश्चित होती है एवं सरकार से भी संरक्षण प्राप्त नहीं होता।
2. औपचारिक क्षेत्र के कर्मचारियों को सामाजिक सुरक्षा व्यवस्था का लाभ मिलता है जबकि अनौपचारिक क्षेत्र के श्रमिकों को ये लाभ प्राप्त नहीं होते हैं।

प्रश्न 25.
भारत में रोजगार की प्रकृति को स्पष्ट कीजिए।
उत्तर:
भारत में रोजगार की प्रकृति बहुमुखी है। कुछ लोगों को वर्ष-भर रोजगार प्राप्त होता है तो कुछ लोग वर्ष में कुछ महीने ही रोजगार प्राप्त कर पाते हैं। भारत में अधिकांश मजदूरों को अपने कार्य की उचित मजदूरी नहीं मिल पाती। देश की अधिकांश जनसंख्या गाँवों में निवास करती है अतः कुल श्रम - शक्ति का लगभग तीन - चौथाई भाग गाँवों में निवास करता है। इसी प्रकार श्रम - शक्ति में लगभग 70 प्रतिशत पुरुष श्रमिक हैं जबकि महिला श्रमिकों का अनुपात लगभग 30 प्रतिशत ही है। महिला श्रमिकों का अनुपात शहरों की तुलना में गाँवों में अधिक है।

https://www.evidyarthi.in/